IIM में बनाया स्पिरिचुअल गार्डन, नक्स वोमिका जैसे दुर्लभ पौधे हैं यहां

वेदों में 27 नक्षत्रों के जिन 27 दुर्लभ वृक्षों का उल्लेख है वो पौधे लगाए गए इस उपवन में, रत्नों की तरह ये भी करते हैं मन-मस्तिष्क पर असर

500 में से 10 ही पनपते हैं, अब ये जंगलों में भी नहीं मिलते, डायरेक्टर ने किया उदघाटन

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

CAMPUS इनसाइडर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर में आध्यात्मिक उपवन तैयार किया गया है। 27 नक्षत्रों के आधार पर वेदों में बताए गए 27 प्रजाति के पौधे यहां लगाए गए हैं। इनमें नक्स वोमिका (कुचला) जैसी दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजाति के पौधे भी हैं जिनका अस्तित्व अब जंगलों से भी खत्म हो चुका है। इन पौधों के बीच बैठ आध्यात्मिक क्रियाओं या ध्यान का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। ये पौधे औषधीय भी हैं जो मानसिक शांति के साथ शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी देते हैं। मानव शरीर के पांच तत्वों प्रतीक के रूप में उपवन में मौजूद हैं संस्थान के निदेशक प्रोफेसर हिमांशु राय ने गुरुवार को इसका उदघाटन किया।

गार्डन तैयार करने में लगा 10 महीने का समय

हर व्यक्ति के मन में क्रोध, नकारात्मकता हावी इसे कम करने के लिए उपवन ज़रूरी

प्रो. हिमांशु राय

इनॉग्रल सेरेमनी में डायरेक्टर प्रोफेसर हिमांशु राय ने बताया- तनाव, क्रोध और नकारात्मकता हर किसी पर हावी है। इसीलिए यह आध्यात्मिक उपवन बनाया। मन मस्तिष्क पर इन पौधों के प्रभाव का उल्लेख वेदों में है। देशभर के आनेवाले स्टूडेंट्स और फैकल्टी इस उपवन के ज़रिए अध्यात्म को महसूस कर उसका महत्व समझें और अध्यात्म एक बार फिर हमारे जीवन का अनन्य हिस्सा बन जाए, यही मकसद है।

यह गार्डन तैयार करने में 10 महीने का समय लगा। इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली हार्टीकल्चरिस्ट डॉ. कंचन विश्वकर्मा ने बताया- ये सभी औषधीय पौधे हैं। इनके फल, पत्ते, झाल और हर हिस्से के कई गुण हैं। कुचला जैसे पौधे जो अब लुप्तप्राय हैं उन्हें वन विभाग की मदद से यहां लाया गया है। इसका जर्मिनेशन रेट बहुत कम है। 500 बीज लगाएं तो 10 पौधे पनपते हैं। गोलाकार उद्यान में पंच तत्वों के प्रतीक स्वरूप पत्थर, पानी, घास और मिट्टी को भी शामिल किया है।

नक्षत्रों के मुताबिक आप भी अपने बगीचे में लगा सकते हैं ये पौधे

अश्विनी : कुचला, **भरिणी** : आंवला, कृतिका : गूलर, **रोहिणी** : जामुन, **मृगशीर** : खेर, **धनिष्ठा** : शमी, **शतभिषा** : कदम्ब, **पूर्वा भाद्रप्रदा** : आम, **श्रवण** : आक, गूलर, **स्वाति** : अर्जुन, **उत्तराषाढ़ा** : कटहल, **उत्तरा भाद्रप्रदा** : नीम, **रेवती** : महुआ, **चित्रा** : बिल्व, **पूर्वा फाल्गुनी** : पलाश, **अश्लेषा** : नागचम्पा, **अनुराधा** : मौलश्री (बकुल)

इस उपवन में लगाए ये औषधीय और सुगंध देने वाले पौधे भी

पत्थर चट्टा, मण्डुकपर्णी, सोनचम्पा, ब्राह्मी सहित तुलसी, लेमनग्रास, चन्दन, हल्दी, बांस, पीपल, सतावर, वट, स्पाइडर, पारिजात, सेवंती, सेमल, बबूल, गिलोय, नाग पौधा, हड़जोड, रातरानी, ऐलोवेरा, ईसुलिन,

जन्म-नक्षत्र वृक्ष से मिली चीजों का सेवन नहीं, उसकी सेवा करें

- हर नक्षत्र के अधीन कुछ वृक्ष हैं। अपने जन्म नक्षत्री वृक्षों के फलों और उससे मिली चीज़ों के इस्तेमाल से बचिए। इसे उपवन में लगाइए और इसका सेवन नहीं सेवा कीजिए। इन पौधों से जो तरंगे प्रवाहित होती हैं वो आपको निरोग रखेंगी और चित्त को स्थिरता देंगी।

– पंडित मनोहर त्रिपाठी

Dainik Bhaskar, November 1, 2019, Page-18

तनाव कम करने के साथ शांति देगा औषधीय उपवन

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

पवित्र और आध्यात्मिक उद्यान हमारी भारतीय संस्कृति में एक प्राचीन परंपरा रहे हैं। वेदों के अनुसार 27 नक्षत्रों में 27 पेड़ हैं, जो औषधीय हैं। ये पेड़ जब एक साथ एक लगाए जाते हैं तो उनमें सकारात्मक ऊर्जा बनाने की शक्ति होती है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर ने इस तरह का एक उपवन विकसित किया है, जिसका लोकार्पण गुरुवार को आईआईएम इंदौर के निदेशक हिमांशु राय व आईआईएम इंदौर के सदस्यों की उपस्थिति में हुआ।

आईआईएम इंदौर में आध्यात्मिक उपवन का लोकार्पण

प्रो. राय ने बताया कि इस उद्यान को विकसित करने के दो उद्देश्य हैं, सबसे पहले स्वच्छ भारत मिशन को ध्यान में रखते हुए हमें ऐसे क्षेत्रों और परिदृश्यों को विकसित करना चाहिए जो उस क्षेत्र के सौंदर्य शास्त्र को बढ़ाते हैं जिसमें हम रहते हैं। दूसरा, जिस तरह से व्यस्त और तेजी से आगे बढ़ रहे जीवन के साथ हम जी रहे हैं हमें मानसिक शांति खोजने की आवश्यकता है और अपने आपको भी शांत करने की जरूरत है यह उपवन तनाव कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने विवेक को भी एक बगीचे की तरह विकसित करने की आवश्यकता है और दोनों के लिए समान प्रयास और कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। आध्यात्मिकता में तीन चीजें समाहित होती हैं धैर्य या सहन शक्ति, अंतर्मुखी प्रतिबिंब और समभाव। धैर्य हमारे निर्भीक होने का प्रतीक है, आत्मनिरीक्षण प्रतिबिंब का अर्थ है आत्म विचार और आत्म मंथन करने की समझ और समभाव की क्षमता होना कठिन परिस्थितियों में भी शांति बनाए रखने का गुण है। इस उद्यान को इस तरह विकसित किया गया है कि इसके सभी 27 पेड़ और 'पंचतत्व' सकारात्मक ऊर्जा का उत्सर्जन करेंगे और सुगंधित जड़ी-बूटियां एक सुखद क्षेत्र प्रदान करेंगी।

54 पेड़ों के साथ कई औषधियों व जड़ीबूटियों से हुआ तैयार

प्रो. राय ने बताया कि यह उपवन लगभग एक एकड़ क्षेत्र में फैला है, जिसमें आध्यात्मिक उद्यान में 54 पेड़ों के साथ कई सुगंधित औषधियां और सुगंधित जड़ी बूटियां हैं। इनमें तुलसी, एलोवेरा, इंसुलिन प्लांट, ब्रह्मी, लेमनग्रास, हेडजोड, रात रानी, जैसमीन, पारिजात, हरसिंघा आदि कई और सुगंधित पौधे शामिल हैं। बगीचे का मुख्य आकर्षण 'पंचतत्व ट्रैक' है, जिसमें पांच तत्व शामिल हैं, जैसे कि रेत, चिकने कंकर, कठोर कंकर, घास, लकड़ी और पानी। जब कोई भी इस ट्रैक पर नंगे पैर चलता है तो ये तत्व एक्यूपंक्चर में मदद करते हैं और सुखदायक प्रभाव प्रदान करते हैं। संस्थान ने बगीचे में एक औषधीय पत्थर लगाने की भी योजना बनाई है। अपार औषधीय गुणों वाला यह पत्थर जल्द ही कर्नाटक से सौपर्णिका नदी से लाया जाएगा। उद्यान बनाने में लगभग छह महीने लगे और यह ध्यान, योग और यहां तक कि आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए एक आदर्श स्थान है।

Dabang Dunia (Dabang Dunia-2), November 1, 2019, Page-2

At spiritual garden, breathe in peace & exhale stress

TIMES NEWS NETWORK

Indore: With an aim to spread positivity and create a stress-free environment on the campus, Indian Institute of Management, Indore has developed a unique spiritual garden based on the concept of 27 constellations.

Spread in an area of around one acre, the spiritual garden has two sets of 27 unique medicinal trees as per 27 constellations - the concept of Vedic culture. The garden which was inaugurated on Thursday also consists of a number of aromatic medicinal and herbs to soothe the environment.

IIM INITIATIVE

IIM-I director Himanshu Rai who has done a lot of research on spirituality, its impact and consequences said, there is a strong co-relation between spirituality and ethical decision making.

"IIM Indore believes in practicing what we preach. I decided to do something practical in terms of space. I have conceptualized the whole garden and it took us six months to get everything ready," said Rai. The garden consists of 'panchatatvas track' which comprises five elements - sand, pebbles, grass, wood and water. This garden is developed in a way that all its 27 trees and 'panchatatvas' that have been put up in the middle will emit positive energy and aromatic herbs will provide a pleasant area.

Plant expert and horticulturist of IIM Indore Dr Kanchan Vishwakarma said that these trees have highly medicinal value and the place is an ideal spot for meditation, yoga and even conducting classes for spiritual activities.

"When anyone walks barefoot on panchatatvas track, these elements help in acupuncture and provide soothing effect.

There is a lot of competition and stress, especially at the bigger institutions and with the kind of lifestyle that we following, mental peace is essential to ensure that we don't get depressed," said Vishwakarma.

A STRESS-FREE ENVIRONMENT

- The spiritual garden consists of 'Panchtatv Track' - sand, pebbles, grass, wood and water
- IIM also plans to bring a medicated stone from Souparnika river of Karnataka. The stone has immense medicinal properties
- This spiritual garden includes Tulsi, Aloe Vera, Insulin Plant, Brahmi, Hadjod, Lemongrass, Night Queen, Jasmine, Parijaat, Harsinghar, etc. among many more aromatic plants

IIM director shows the garden to visitors on Thursday

The Times of India, November 1, 2019, Page-2

नवाचार

आईआईएम इंदौर में वेदों में वर्णित 54 पेड़ों वाले आध्यात्मिक उपवन का किया गया उद्घाटन

अपने विवेक को एक बगीचे की तरह विकसित करें : प्रो. राय

IAmIndore • इंदौर

editor@peoplessamachar.co.in

पवित्र, आध्यात्मिक उद्यान हमारी भारतीय संस्कृति में एक प्राचीन परंपरा रहे हैं। वेदों के अनुसार, 27 नक्षत्रों में 27 पेड़ हैं, जो अत्यधिक औषधीय हैं। ये पेड़ जब एक साथ एक भूमि पर लगाए जाते हैं, तो उनमें सकारात्मक ऊर्जा बनाने की शक्ति होती है। आईआईएम इंदौर ने इस तरह का एक उपवन विकसित किया है जिसका उद्घाटन गुरुवार को प्रो. हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने किया। एक एकड़ क्षेत्र में फैले इस आध्यात्मिक उद्यान में 54 पेड़ (वेदों में वर्णित प्रत्येक औषधीय वृक्ष को दो बार रोपा गया) के साथ-साथ कई सुगंधित औषधीय और सुगंधित जड़ी-बूटियां हैं। इनमें तुलसी, एलोवेरा, इंसुलिन प्लांट, ब्राह्मी, लेमन ग्रास, हेड़जोड़, रात रानी, जैस्मीन, पारिजात, हरसिंघा आदि कई और सुगंधित पौधे शामिल हैं।

हमें मानसिक शांति खोजने की आवश्यकता है

प्रो. राय ने कहा कि इस उद्यान को विकसित करने के दो उद्देश्य हैं। सबसे पहले, स्वच्छ भारत मिशन को ध्यान में रखते हुए, हमें ऐसे क्षेत्रों और परिदृश्यों को विकसित करना चाहिए जो उस क्षेत्र के सौंदर्यशास्त्र को बढ़ाते हैं, जिसमें हम रहते हैं। दूसरा, जिस तरह से व्यस्त और तेजी से आगे बढ़ रहे जीवन के साथ हम जी रहे हैं, हमें मानसिक शांति खोजने की आवश्यकता है और अपने आप को भी शांत करने की ज़रूरत है। हमने अपने छात्रों, फैकल्टी, स्टाफ और पूरे समुदाय के लिए ऐसी ही एक जगह प्रदान करने के लिए इस उपवन का निर्माण किया, जो तनाव को कम करने में मदद करता है। हमें अपने विवेक को भी एक बगीचे की तरह विकसित करने की आवश्यकता है, और दोनों के लिए समान प्रयास और कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। आध्यात्मिकता में तीन चीजें समाहित होती हैं- धैर्य या सहन शक्ति, अंतर्मुखी प्रतिबिंब और समभाव। धैर्य हमारा निर्भीक होने का प्रतीक है, आत्मनिरीक्षण प्रतिबिंब का अर्थ है आत्म-विचार और आत्म मंथन करने की समझ और समभाव की क्षमता होना कठिन परिस्थितियों में भी शांति बनाए रखने का गुण है। इस उद्यान को इस तरह से विकसित किया है कि इसके सभी 27 पेड़ और 'पंचतत्व' सकारात्मक ऊर्जा का उत्सर्जन करेंगे और सुगंधित जड़ी-बूटियां सुखद क्षेत्र प्रदान करेंगी।

मुख्य आकर्षण है पंचतत्व ट्रैक

बगीचे का मुख्य आकर्षण पंचतत्व ट्रैक है, जिसमें पांच तत्व शामिल हैं, जैसे कि रेत, चिकने कंकड़, कठोर कंकड़, घास, लकड़ी और पानी। जब कोई भी इस ट्रैक पर नंगे पैर चलता है, तो ये तत्व एक्यूपंक्चर में मदद करते हैं और सुखदायक प्रभाव प्रदान करते हैं। संस्थान ने बगीचे में एक औषधीय पत्थर लगाने की भी योजना बनाई है। अपार औषधीय गुणों वाले इस पत्थर को जल्द ही कर्नाटक से सौपर्णिका नदी से लाया जाएगा। उद्यान बनाने में लगभग 6 महीने लगे और यह ध्यान, योग और यहां तक कि आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए एक आदर्श स्थान है। पेड़ पहले से ही पांच फीट से अधिक ऊंचे हैं और संस्थान आने वाले महीनों में हरे-भरे आध्यात्मिक उद्यान की उम्मीद कर रहा है। वैज्ञानिक रूप से, उद्यान पेड़ों और जैव विविधता के संरक्षण के रूप में भी कार्य करता है। आईआईएम इंदौर हमेशा प्रकृति को बचाने के लिए समर्पित रहा और नियमित वृक्षारोपण अभियान चला रहा है।

Peoples Samachar, November 1, 2019, Page-12

गुरुवार को आइआइएम परिसर में औषधीय उपवन का उद्घाटन डायरेक्टर हिमांशु राय ने किया। **इनसेट :** जानकारी देते डायरेक्टर राय।

IIM INDORE...

पंचतत्व मॉडल ट्रैक पर सेहत की दौड़

सेहत के लिए नई पहल, अगले चरण में कर्नाटक की सौपर्णिका नदी से आएंगे औषधीय पत्थर

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर. आइआइएम इंदौर ने अपने कैंपस में पंचतत्व ट्रैक का निर्माण कराया है। गुरुवार को आइआइएम डायरेक्टर हिमांशु राय ने यहां पर औषधीय उपवन का उद्घाटन किया, जिसमें पंचतत्व ट्रैक भी शामिल है। इस ट्रैक में रेत, चिकने पत्थर, कंकड़, घास, लकड़ी और पानी के अलग-अलग भाग हैं। जब कोई भी इस ट्रैक पर नंगे पैर चलता है, तो ये तत्व एक्यूप्रेशर में मदद करते हैं। संस्थान ने बगीचे में एक औषधीय पत्थर लगाने की भी योजना बनाई है। इसे कर्नाटक की सौपर्णिका नदी से लाया जाएगा।

डायरेक्टर हिमांशु राय ने बताया, उद्यान बनाने में करीब 6 महीने लगे और यह ध्यान, योग और आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए एक आदर्श स्थान है। पेड़ पहले से ही पांच फीट से अधिक ऊंचे हैं और संस्थान आने वाले महीनों में हरे-भरे आध्यात्मिक उद्यान की उम्मीद कर रहा है। वैज्ञानिक रूप से यह उद्यान पेड़ों और जैव विविधता के संरक्षण के रूप में भी कार्य करता है।

ज्ञात हो कि कुछ दिन पहले पीएम मोदी ने विराट कोहली का फिटनेस चैलेंज एक्सेप्ट कर पंचतत्व ट्रैक पर कई व्यायाम करके दिखाए थे। इसके बाद से लोगों के बीच में पंचतत्व ट्रैक की रुचि बढ़ी है।

तनाव कम करने में मिलेगी मदद

राय ने कहा, करीब एक एकड़ क्षेत्र में फैले इस आध्यात्मिक उद्यान में 54 पेड़ हैं। इसे विकसित करने के दो उद्देश्य हैं। सबसे पहले, स्वच्छ भारत मिशन को ध्यान में रखते हुए हमें ऐसे क्षेत्रों को विकसित करना चाहिए जो उस क्षेत्र के सौंदर्य को बढ़ाते हैं, जिसमें हम रहते हैं। दूसरा, जिस तरह से व्यस्त और तेजी से आगे बढ़ रहे जीवन के साथ हम जी रहे हैं, हमें कुछ मानसिक शांति खोजने की आवश्यकता है और अपने आप को भी शांत करने की जरूरत है। यह उपवन तनाव कम करने में मदद करेगा।

विवेक को बगीचे की तरह विकसित करें

राय ने कहा हमें अपने विवेक को भी एक बगीचे की तरह विकसित करने की आवश्यकता है। आध्यात्मिकता में तीन चीजें समाहित होती हैं - धैर्य या सहन शक्ति, अंतर्मुखी प्रतिबिंब और समभाव। धैर्य हमारा निर्भीक होने का प्रतीक है, आत्मनिरीक्षण प्रतिबिंब का अर्थ है आत्म-विचार और आत्म मंथन करने की समझ तथा समभाव की क्षमता होना कठिन परिस्थितियों में भी शांति बनाए रखने का गुण है। इस उद्यान को इस तरह से विकसित किया गया है कि इसके सभी 27 जोड़े पेड़ और पंचतत्व सकारात्मक ऊर्जा का उत्सर्जन करेंगे।

Patrika, November 1, 2019, Page-13

आईआईएम में 27 नक्षत्रों पर आधारित पेड़ लगाकर की नई शुरुआत

विद्यार्थियों का तनाव दूर करने में मदद करेगा आध्यात्मिक उपवन

आईआईएम परिसर में बने नए आध्यात्मिक उपवन के बारे में उपस्थितजनों को जानकारी देते संस्थान के निदेशक प्रो. हिमांशु राय। ● फोटो : आईआईएम

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

पवित्र और आध्यात्मिक उपवन प्राचीनकाल से हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। वेदों के अनुसार 27 नक्षत्रों के 27 पेड़ हैं। ये पेड़ औषधि का काम करते हैं। ये पेड़ जब एक साथ एक भूमि पर लगाए जाते हैं तो उनमें सकारात्मक ऊर्जा बनाने की शक्ति पैदा होती है। इसी तरह का उपवन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर में बनाया गया है। गुरुवार को संस्थान के डायरेक्टर प्रो. हिमांशु राय ने फीता काटकर उपवन की शुरुआत की।

छह महीने में तैयार हुए उपवन में पंचतत्व ट्रेक भी बनाया

करीब एक एकड़ क्षेत्र में फैले इस आध्यात्मिक उपवन में 54 पेड़ के साथ कई औषधीय और सुगंधित जड़ी-बूटियां हैं। इनमें तुलसी, एलोवेरा, इंसुलिन प्लांट, ब्राह्मी, लेमनग्रास, रातरानी, जैस्मीन, पारिजात, हरसिंगार और अन्य पौधे शामिल हैं। प्रोफेसर राय ने कहा उपवन को विकसित करने के दो उद्देश्य हैं। सबसे पहले स्वच्छ भारत मिशन को ध्यान में रखते हुए हम सौंदर्यशास्त्र को बेहतर कर रहे हैं। उपवन बनाने का दूसरा कारण है कि हम व्यस्त और तेज गति वाले जीवन के दौर में जी रहे हैं। ऐसे में हमें आत्मिक मानसिक शांति खोजने की आवश्यकता है और अपने आप को भी शांत करने की जरूरत है। हमने अपने छात्रों, फैकल्टी, स्टाफ और पूरे समुदाय के लिए ऐसी ही एक जगह प्रदान करने के लिए इस उपवन का निर्माण किया है। इससे तनाव कम करने में मदद मिलेगी। उपवन के सभी 27 पेड़ और पंचतत्व सकारात्मक ऊर्जा का उत्सर्जन करेंगे और सुगंधित जड़ी-बूटियां एक सुखद वातावरण निर्मित करेगी। बगीचे का मुख्य आकर्षण पंचतत्व ट्रेक है। इसे प्रकृति के पांच तत्वों पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश तत्व के आधार पर तैयार किया गया है। पूरा उपवन तैयार करने में छह महीने का समय लगा।

Naidunia, November 1, 2019, Page-7 (ii)

IIM Indore sets up spiritual garden for students to bust stress

OUR STAFF REPORTER
Indore

Known for doing many firsts, Indian Institute of Management Indore has set-up a spiritual garden for students and faculty to bust their stress.

Spread in approximately one acre area, the spiritual garden has 54 trees (2 medicinal trees each as mentioned in the Vedas) along with multiple aromatic medicinal and aromatic herbs. These include Tulsi, Aloevera, Insulin Plant, Brahmi, Lemon Grass, Hadjod, Night Queen, Jasmine, Parijaat, Harsingha, etc. among many more aromatic plants.

IIM Indore director Himanshu Rai briefing teachers and others about plants planted in the spiritual garden and (inset) bird's eye view of garden.

"There are two purposes of developing this garden. First, following the Clean India Mission, we should be developing areas and landscapes which enhance the aesthetics of the area we reside in. Second, with the kind of busy and fast moving lives we're living, we need to find some mental peace and soothe ourselves as well. We created this garden keeping in mind the same objective; to provide a place for our students, faculty, staff, and entire community which helps in lessening the stress," said IIM Indore director Himanshu Rai who inaugurated the garden on Thursday.

He said that a conscience needs to be developed just like a garden, and both take equal efforts and hard work. "Spirituality consists of three things—fortitude, introspective reflection and equanimity. Fortitude stands for being fearless, introspective reflection means having the capability of self-thinking and equanimity is the quality to retain calmness in difficult situations as well. This garden is been developed in a way that all its 27 trees and 'panchatatvas' will emit positive energy and aromatic herbs will provide a pleasant area," he said.

The highlight of the garden is the 'Panchtatv Track', which comprises of the five elements namely, sand, smooth pebbles, hard pebbles, grass, wood and water. When anyone walks barefoot on this track, these elements help in acupuncture and provide soothing effect.

"The institute also plans to have a medicated stone in the garden. This stone with immense medicinal properties will be brought from Souparnika River from Karnataka soon," said Rai.

Free Press, November 1, 2019, Page-2